(c) Government have already entered into a memorandum of understanding with Oil & Natural Gas Commission.

(d) No specific dates have been fixed **for** entering into memorandum of understanding with all the public sector enterprises.

स्कूटर्स इण्डिया लिमिटेड का गैर-सरकारी क्षेत्र को बेचा जाना

2650. **श्री शरद यादव** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार स्कूटर्स इण्डिया लिमिटेड नामक सरकारी उपक्रम को गैर-सरकारी क्षेत्र को बेचने का विचार रखती है; यदि हां, तो उसके क्या कारण है;

(ख) स्कूटर्स इण्डिया लिमिटेड द्वारा अब तक कितने स्कूटरों का निर्माण किया गया है तथा इस कम्पनी में कितने-कितने कर्मचारी कार्यरत हैं और सरकार द्वारा इस कम्पनी में कितनी धनराशि का निवेश किया गया है;

(ग) किन-किन कम्पनियों ने किन-किन शर्तों पर इस कम्पनी को खरीदने की पेशकश की है;

(घ) इस उपक्रम को प्रतिवर्ष कितना घाटा हुआ है;

(ङ) स्कूटर्स इण्डिया लिमिटेड कम्पनी को खरीदने वाली कम्पनी द्वारा स्कूटर किस दर पर बेचे जायेंगे; और

(च) क्या सरकार घाटे में चल रहे उपक्रमों को बेच देने का विचार रखती है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

उद्योग मंत्रालय में सरकारी उद्यम विभाग में राज्य मंत्री (प्रो. के. के. तिवारी) : (क) सरकार स्कूटर्स इण्डिया लिमिटेड को पुनरूज्जीवित करने तथा उसे जीव्य एकक बनाने से सम्बन्धित विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रही है।

(ख) कम्पनी में 3200 कर्मचारी हैं। इसने 293181 स्कूटरों का निर्माण किया और 31-3-1986 तक सरकार ने 48.28 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

(ग) कम्पनियों के नामों और प्रस्तावों की शर्तों को बताना स्कूटर्स इण्डिया लिमिटेड के वाणिज्यिक हित में नहीं है।

(घ) विवरण संलग्न है।

(नीचे देखिए)

(ङ) इस सम्बन्ध में इस अवस्था में कुछ भी कहना समय-पूर्व है।

(च) सरकार ने ऐसा कोई आम निर्णय नहीं लिया है।

विवरण

स्कूटर्स इण्डिया लिमिटेड को हुई वर्ष-वार हानियां :—

(लाख रुपये में)

वर्ष	हानि
1974-75	107
1975-76	328
1976-77	266
1977-78	367
1978-79	475
1979-80	445
1980-81	490
1981-82	768
1982-83	710
1983-84	1223
1984-85	1380
1985-86	1642

Sick industries

2651. SHRI RAMSINGHBHAI PATALIYABHAI RATHVAKOLI : Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state :

(a) whether Sick Industrial Units are increasing day by day in Gujarat and, other parts of the country;